राग वडहंस

गुरमति संगीत में वडहंस राग का प्रयोग शास्त्रीय संगीत के लिए भी किया गया है और लोक धुनें, घोडीयों एवं अलाहुणियों आदि के लिए भी। देही घोड़ी पर काबू पाने के लिए शब्द में लीन होना अति जरूरी है क्योंकि

lcfn jr oMgl g lp uke mj/kkfjAA
lp lxgfg lfp jgfg lp ukfe fivkfjAA

इस राग के श्री गुरू ग्रन्थ साहिब में वडहंस और वडहंस दक्खणी दो स्वरूप प्राप्त हैं।

आरोह	–	स रे म प, ध नी प, नी सं।
अवरोह	–	सं नी प, ध म ग रे, स नी स।
स्वर	–	आरोह में गंधार वर्जित, दोनों निषाद, अन्य शुद्ध।
थाट	–	खमाज
जाति	–	षाड़व–सम्पूर्ण
समय	–	दिन का तीसरा पहर
वादी	–	पंचम
संवादी	–	ऋषभ
मुख्य अंग	–	स रे म प नी प, ध म ग रे, स नी प़ नी स।
स्वर विस्थार	–	1. स, स रे नी स, ग रे स नी, प़ नी स, रे म ग रे, रे म प, ध प, म प ध म ग रे, स नी प़ नी स। 2. रे म प, ध प ध नी प, म प नी सं, प नी सं, सं रें नी सं, रें मं गं रें, सं नी, प नी सं, रें सं नी प, ध प, ध नी प, ध म ग रे, स रे नी स।

वडहंसु महला ५॥ (५६२)

धनु सु वेला जितु दरसनु करणा॥ हउ बलिहारी सतिगुर चरणा॥१॥ जीअ के दाते प्रीतम प्रभ मेरे॥ मनु जीवै प्रभ नामु चितेरे॥१॥रहाउ॥ सचु मंत्रु तुमारा अंम्रित बाणी॥ सीतल पुरख द्रिसटि सुजाणी॥२॥ सचु हुकमु तुमारा तखति निवासी॥ आए न जावै मेरा प्रभु अबिनासी॥३॥ तुम मिहरवान दास हम दीना॥ नानक साहिबु भरपुरि लीणा ॥४॥२॥

वडहंसु महला ४ घरु २

१ॐ सतिगुर प्रसादि ॥ (५६१)

मै मनि वडी आस हरे किउ करि हरि दरसनु पावा॥ हउ जाइ पुछा अपने सतगुरै गुर पुछि मनु मुगधु समझावा॥ भूला मनु समझै गुर सबदी हरि हरि सदा धिआए॥ नानक जिसु नदरि करे मेरा पिआरा सो हरि चरणी चितु लाए॥१॥ हउ सभि वेस करी पिर कारणि जे हरि प्रभ साचे भावा॥ सो पिरु पिआरा मै नदरि न देखै हउ किउ करि धीरजु पावा॥ जिसु कारणि हउ सीगारु सीगारी सो पिरु रता मेरा अवरा॥ नानक धनु धंनु धंनु सोहागणि जिनि पिरु राविअड़ा सचु सवरा॥२॥

राग वडहंस

(1) झप ताल

LFkkbZ%

ऩी	स	रे	रे	प	म	म	गरे	ग	रे
ध	नु	सु	0	0	वे	ला	जि0	0	तु
ऩी	स	रे	रे	प	म	म	गरे	ग	रे
द	र	स	0	नु	क	र	णा	0	0
रेरे	रे	म	म	म	प	ध	नी	प	–
हउ	0	ब	0	लि	हा	0	री	0	0
म	प	नी	सं	प	प	पध	म	ग	रे
स	ति	गु	र	0	च	र0	णा	0	0
x		2			0		3		

vUrjk%

मम	म	प	नी	–	सं	नी	सं	–	सं
जीअ	0	के	0	0	दा	0	ते	0	प्री
सं	प	नी	–	संरें	नी	–	धप	ध	प
त	म	प्र	0	भ0	मे	0	रे0	0	0
प	रें	रें	रें	रें	नी	–	सं	–	सं
म	नु	जी	0	0	वै	0	प्र	0	भ
सं	नी	धप	प	पध	म	–	गरे	ग	रे
ना	0	मु0	0	चि0	ते	0	रे0	0	0
x		2			0		3		

dhrZudkj HkkbZ fçFkhiky flag dax

राग वडहंस

(2) दीपचंदी मध्य लय

LFkkbZ%

म	–	–	ग	–	रे	–	स	–	–	नी़	–	–	–
मै	0	0	म	0	नि	0	व	0	0	डी	0	0	0
प़	–	–	प़	–	नी़	नी़	स	–	–	रेरे	ग	स	रे
0	0	0	आ	0	स	ह	रे	0	0	किउ	0	0	0
प	–	–ध	म	–	म	–	–	ग	रे	स	–	स	रे
क	0	0रि	ह	0	रि	0	0	द	र	स	0	नु	0
नी़	–	–	स	–	–	–	–	–	–	–	–	–	–
पा	0	0	वा	0	0	0	0	0	0	0	0	0	0
X			2				0			3			

vUrjk%

									सस	–	म	ग	रे
									हउ	0	जा	इ	पु
म	प	–	ध	प	प	–	–	–	–	–	प	ध	नी
छा	0	0	अ	प	ने	0	0	0	0	0	स	त	गु
प	ध	ध	प	–	प	प	प	ध	–	प	–	म	–
रै	0	0	0	0	गु	र	पु	छि	0	म	0	नु	0
मम	म	–	–	–	म	म	म	प	म	ग	–	रे	–
मुग	धु	0	0	0	स	म	झा	0	0	वा	0	0	0
X			2				0			3			

dhrUudkj çk- ijetkr flag